पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'वो मुझे बार-बार किस करता रहा'

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 85 ■ सोमवार 8 जून 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ में पकड़ा गया ड्रग्स व्यापारी 7 दिन के रिमांड पर

शरीफ पर अब तक 17 अपराध दर्ज

अंबरनाथ. अंबरनाथ में लाखों की हेरोइन (गरदा) के साथ पकड़े गए गांधी नगर शहर पश्चिम निवासी शरीफ सलीम शेख को पुलिस ने न्यायालय में पेश करके सात दिनों की रिमांड पर ले लिया है. इस मादक पदार्थ विक्रेता पर अब तक 17 अपराध दर्ज है. उस पर प्रतिबंधक कार्रवाई भी की गई थी, लेकिन उसके बाद भी वह मादक पदार्थ गांजा, हेरोईन, नशे की गोलियां, नशा करने वाली बोतरें आदि का कारोबार बंद ही नहीं कर रहा है. अब पुलिस ने भी शरीफ पर इस बार कठोर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है क्योंकि ये व्यक्ति 17 अपराध दर्ज होने के बाद भी सुधरने का नाम नहीं ले रहा है. इस ड्रग के व्यापारी से परिसर के युवक, बच्चे भी नशे के आदी होते जा रहे हैं.

अंबरनाथ पश्चिम में गांधी नगर, सिद्धार्थ नगर परिसर से पांच महिलाओं पर भी गांजा बेचने का अपराध अंबरनाथ पुलिस में दर्ज है. शहर में बढ़ते मादक पदार्थ के मामले को लेकर पुलिस ने पहली बार मादक पदार्थ विरोधी विशेष पथक की स्थापना की है. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद ने इस अवैध व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए वरिष्ठों के आदेश पर पथक की स्थापना की है. जिसने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शरीफ को गिरफ्तार किया है. जिसे 12 जून तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है. स्थापना किए गए पथक में सभी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों का समावेश किया गया है. वैसे शहर पश्चिम में कुछ व्यक्ति इस मामले को लेकर एवं शहर को नशा मुक्ति करने के लिए आगे आए हैं. ये उनका निर्णय स्वागतयोग्य है.

रेल-मेट्रो यात्रियों के लिए 'पॉड टैक्सी'

पाड टैक्सी से कल्याण लोकसभा क्षेत्र में ट्रांसपोर्टेशन में आएगी एक नई क्रांति : डॉ. श्रीकांत शिंदे

- **BKC की तर्ज पर शुरू होगी पॉड टैक्सी सर्विस**
- **अंदरूनी सड़कों पर आसानी से यात्रा कर सकेंगे यात्री**

कल्याण. सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने घोषणा की कि कल्याण लोकसभा क्षेत्र में रेल और मेट्रो यात्रियों के लिए 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' की समस्या को हल करने के लिए BKC की तर्ज पर एक पॉड टैक्सी सर्विस शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सर्विस इसलिए उपलब्ध कराई जाएगी ताकि रेलवे या मेट्रो स्टेशन से उतरने वाले यात्री अंदरूनी सड़कों पर आसानी से यात्रा कर सकें।

डोंबिवली के श्री पिंपलेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित शिवसेना पार्टी प्रवेश समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र में मेट्रो प्रोजेक्ट तेजी से पूरा होने वाला है और भविष्य में एक डबल डेकर ट्रांसपोर्ट सिस्टम भी शुरू किया जाएगा।

इस मौके पर उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उद्योग मंत्री उदय सामंत के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने श्री पिंपलेश्वर महादेव मंदिर की जगह के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे को हल कर दिया है। उन्होंने यह भी साफ़ किया कि मंदिर के डेवलपमेंट के लिए फंड की कमी नहीं होने दी जाएगी।

कल्याण लोकसभा सीट पर रोड नेटवर्क, मेट्रो, मॉडर्न हॉस्पिटल और स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स पर बड़े पैमाने पर काम चल रहा है, यह बताते हुए उन्होंने बताया कि डोंबिवली में एक सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, उल्हासनगर में दो हॉस्पिटल और अंबरनाथ में एक मेडिकल कॉलेज शुरू किया गया है। इसके अलावा, इलाके के युवाओं के लिए करीब 200 करोड़ रुपये का टाटा स्किल सेंटर प्रोजेक्ट बनाया जा रहा है और यह जुलाई-अगस्त तक पूरा हो जाएगा। डॉ. शिंदे ने भरोसा जताया कि यह सेंटर युवाओं को मॉडर्न स्किल ट्रेनिंग देकर रोज़गार और एंटरप्रेन्योरशिप के नए मौके देगा।

उद्देश्य...

- संकीर्ण आंतरिक सड़कों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में यात्रियों को लोकल और आगामी मेट्रो स्टेशनों तक निर्बाध यात्रा प्रदान करना।
- **परिवहन एकीकरण :** पॉड टैक्सियों को मौजूदा उपनगरीय रेलवे और आगामी मेट्रो परियोजनाओं के साथ जोड़कर एक मल्टी-मोडल ट्रांज़िट सिस्टम बनाया जाएगा।
- **सुविधाएं :** ये स्वचालित (ड्राइवरलेस) और इलेक्ट्रिक पॉड टैक्सियां एलिवेटेड ट्रैक पर चलेंगी, जिससे यात्रा का समय कम होगा और प्रदूषण में कमी आएगी।
- **एमएमआर का विस्तार :** कल्याण के अलावा, मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR) में ठाणे, मीरा-भाईंदर और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) में भी पॉड टैक्सी प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

कल्याण. डोंबिवली पूर्व के कटाई-बदलापुर रोड पर तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। इस मामले में रविवार 7 जून को मानपाड़ा पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, लालू कालीचरण पाल (60) नेवाली नाका से सब्जी खरीदकर घर लौट रहे थे। 15 अप्रैल की रात करीब 10.30 बजे जत्रा होटल के सामने सड़क पार करते समय बाइक चालक भावेश जर्नादन कडू, निवासी उल्हासनगर, ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में लालू पाल के सिर और पैर में गंभीर चोटें आईं। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

कुख्यात बिल्डर सलमान डोलारे गिरफ्तार

- **फर्जी दस्तावेजों के दम पर बनाई अवैध इमारत**
- **लगभग दो साल थी पुलिस को उसकी तलाश**

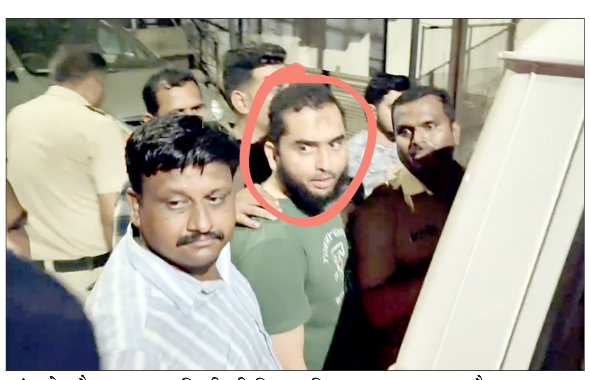

कल्याण. फर्जी दस्तावेजों के दम पर कल्याण में चार-चार अवैध टॉवर खड़े कर सैकड़ों परिवारों की जिंदगी भर की कमाई डुबोने वाला कुख्यात बिल्डर सलमान डोलारे आखिरकार कानून के शिकंजे में आ ही गया। बाजारपेठ पुलिस ने लगभग दो साल की लंबी तलाश के बाद शनिवार शाम को उसे गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, आरक्षित भूखंडों पर अवैध निर्माण कर लोगों के साथ धोखाधड़ी करने के कई गंभीर मामले सलमान डोलारे के खिलाफ दर्ज हैं। पुलिस जांच के दौरान सूचना मिली थी कि डोलारे कल्याण के दूध नाका क्षेत्र स्थित खोटाल मंजिल इमारत की चौथी मंजिल पर छिपा हुआ है। इस सूचना के आधार पर पुलिस और क्राइम ब्रांच ने संयुक्त छापा मारकर उसे हिरासत में ले लिया।

सलमान डोलारे के खिलाफ महात्मा फुले पुलिस स्टेशन और बाजारपेठ पुलिस स्टेशन में 12 से अधिक मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया था। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

डोलारे ने यूसुफ हाइट्स, जेएम टॉवर, झमझम विला और मरियम टॉवर नामक इमारत खड़ी कर सैकड़ो लोगों से करोड़ों ठगे हैं। उस पर एमआरटीपीए सहित धोखाधड़ी के एक दर्जन से ज्यादा संगीन मामले दर्ज हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि शुरुआत में इस काले कारोबार में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी साझेदार था, लेकिन डोलारे की फर्जीवाड़े की परतें खुलते ही उसने किनारा कर लिया।

केडीएमसी अधीक्षक उमेश यमगर, तत्कालीन नगररचना अधिकारी सुरेंद्र टेंगले समेत इमारत में रहने वाले कई निवासियों ने बिल्डर के खिलाफ केस दर्ज कराए थे। डोलारे का दूसरा पार्टनर एक साल पहले ही जेल जा चुका है। 22 महीने से पुलिस को गुमराह कर रहा सलमान अब सलाखों के पीछे पहुंच चुका है। बिल्डर सलमान डोलारे की गिरफ्तारी के बाद अब बाजारपेठ पुलिस फर्जी दस्तावेजों का खुलासा करेगी, ताकि सच्चाई सबके सामने आ सके। वहीं मनपा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यदि इस फर्जीवाड़े में मनपा का कोई अधिकारी शामिल रहा तो उसपर भी गाज गिरने वाली है।

तलाब में डूबने से 3 लड़कियों की मौत

नवी मुंबई. उरण तालुका के जासई गांव में एक हृदयविदारक हादसे में तीन नाबालिग लड़कियों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतकों में दो सगी बहनें भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, जासई गांव स्थित बड़े तालाब पर एक महिला कपड़े धोने के लिए गई थी। इसी दौरान तालाब के किनारे खेल रही तीन बच्चियां अचानक पानी में डूबने लगीं। बच्चियों को बचाने के प्रयास में उनकी मां भी तालाब में कूद गई, लेकिन वह भी डूबने लगी।

स्थिति गंभीर होते देख एक स्थानीय ग्रामीण ने साहस दिखाते हुए महिला को तालाब से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, पानी में डूब रही तीनों बच्चियों को बचाया नहीं जा सका और उनकी मौत हो गई।

मृत बच्चियों की पहचान रेहाना परवीन (8 वर्ष), रविना परवीन (7 वर्ष) और सौम्या प्रजापति (13 वर्ष) के रूप में हुई है। इनमें रेहाना और रविना सगी बहनें थीं।

महानगर गैस बिल के नाम पर रिटायर्ड व्यक्ति से 9 लाख ठगे

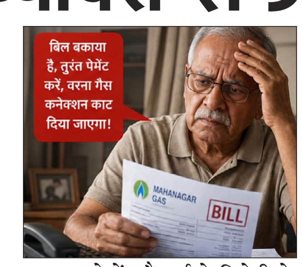

कल्याण. कल्याण में दो स्कैमर्स ने एक रिटायर्ड नागरिक से 9 लाख 8 हजार रुपये ऑनलाइन ठग लिए। महानगर गैस बिल के ज़रिए ठगे गए सीनियर सिटिज़न का नाम पवन कुमार महावीर त्रिवेदी है।

शिकायतकर्ता पवन कुमार त्रिवेदी के घर तक महानगर गैस पाइप के ज़रिए सप्लाई होती है। वे अपने रेगुलर मोबाइल फ़ोन से शहर को अपना मंथली गैस बिल पे करते हैं। उन्होंने पिछले महीने का सिटी गैस बिल 1,054 रुपये ऑनलाइन भरा था। लेकिन, दो लोगों ने त्रिवेदी के मोबाइल फोन पर कॉन्टैक्ट किया और शिकायत करने वाले को यह कहकर गुमराह किया कि उन्होंने अपना सिटी गैस बिल नहीं भरा है। जब त्रिवेदी ने कहा कि उन्होंने बिल भर दिया है, तब भी स्कैमर्स सुनने को तैयार नहीं थे। इन स्कैमर्स के नाम शिवानंद गाटगी और श्रीकांत मिश्रा हैं।

इन दोनों स्कैमर्स ने त्रिवेदी के मोबाइल फोन पर सिटी गैस बिल अपडेट ऑनलाइन APK नाम का एक लिंक भेजा। त्रिवेदी ने यह लिंक खोला। उस समय, गैस बिल नाम का एक एप्लीकेशन खुला। स्कैमर्स ने त्रिवेदी से उस एप्लीकेशन के ज़रिए तुरंत अपने मोबाइल फोन पर 12 रुपये की फीस भेजने को कहा। 12 रुपये भेजने के बाद भी, स्कैमर्स के मोबाइल फोन पर रकम क्रेडिट नहीं हुई। इसलिए, स्कैमर्स ने शिकायत करने वाले त्रिवेदी से मोबाइल में सेटिंग्स बदलने को कहा।

शिकायत करने वाले ने सेटिंग्स को ऑफ से ऑन कर दिया। उस मौके का फ़ायदा उठाकर स्कैमर्स ने शिकायत करने वाले पवन कुमार त्रिवेदी के मोबाइल से सारे ट्रांज़ैक्शन डिलीट कर दिए और उनके मोबाइल से दूसरी जानकारी डाउनलोड कर ली। जब शिकायत करने वाले को पता चला कि स्कैमर्स उनके मोबाइल से कुछ जानकारी अपने मोबाइल में इंस्टॉल कर रहे हैं, तो शिकायत करने वाले ने तुरंत स्कैमर्स का मोबाइल काट दिया।

इस घटना के बाद, स्कैमर्स ने शिकायत करने वाले त्रिवेदी के बैंक अकाउंट से कुल 9 लाख 8 हज़ार 327 रुपये निकाल लिए। जब शिकायत करने वाले को पता चला कि महानगर गैस पेमेंट के नाम पर दो स्कैमर्स ने उसके साथ धोखाधड़ी की है, तो वह तुरंत खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन गया और शिकायत दर्ज कराई। महिला पुलिस इंस्पेक्टर एस. बी. बामने जांच कर रही हैं।

कल्याण स्टेशन परिसर में जाम की समस्या होगी दूर

- **कल्याण सैटिस प्रोजेक्ट का एक फ्लाईओवर जल्द होगा शुरू**

कल्याण. कल्याण पश्चिम स्टेशन एरिया में सैटिस ब्रिज के एक फेज में फ्लाईओवर का रूट मार्च के आखिर तक शुरू होना था। इसमें कुछ टेक्निकल दिक्कतें थीं। अब कल्याण डोंबिवली मनपा प्रशासन ने इस ब्रिज के रास्ते की रुकावटों को दूर करने और कल्याण वेस्ट सैटिस रूट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस और बैलबाजार चौक के बीच फ्लाईओवर सेक्शन को जल्द खोलने के लिए जोरदार काम शुरू कर दिया है।

स्मार्ट कल्याण डोंबिवली डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के तहत चल रहा 'कल्याण वेस्ट रेलवे स्टेशन एरिया इम्प्रूवमेंट' प्रोजेक्ट अब स्मार्ट सिटी की ओर एक अहम कदम बढ़ा चुका है। इस प्रोजेक्ट में प्लान किया गया फ्लाईओवर - पार्ट A - नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक से बैलबाजार चौक तक है। इस ब्रिज की लंबाई 1 हजार 125 मीटर और चौड़ाई एवरेज 18 से 9 मीटर है। इस फ्लाईओवर का काम अब फाइनल स्टेज में है।

पहले स्टेज को खोलने का रास्ता साफ

इस फ्लाईओवर के दो मुश्किल हिस्सों को बनाने के लिए मलेशिया की 'अल्ट्रा-हाई परफॉर्मेंस फाइबर रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट (UHPFRC)' की ग्लोबल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। IIT, मुंबई ने इस काम के लिए स्ट्रक्चरल डिज़ाइन तैयार किया है। इस टेक्नोलॉजी और डिज़ाइन के आधार पर यह काम अब आसान हो गया है। इसलिए, इस ब्रिज के पहले स्टेज को खोलने का रास्ता साफ हो गया है।

इस फ्लाईओवर के काम के लिए कल्याण स्टेशन इलाके में पंडित जवाहरलाल नेहरू चौक (एंट्रेंस नंबर 1) पर मौजूदा पैदल चलने वालों के लिए बने पुल को गिराया जाना था। चूंकि कल्याण रेलवे स्टेशन इलाके में आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या ज़्यादा है, इसलिए उक्त पैदल चलने वालों के लिए बने पुल को हटाना सही नहीं था। इसलिए, मलेशिया की लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके कल्याण स्टेशन के सामने वाले इलाके में गर्डर रखने का काम किया गया। अब उम्मीद है कि इस ब्रिज का कम से कम एक फेज़ पैसेंजर ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाए।

पार्किंग से पुलिसवाले का टू-व्हीलर चोरी

- **रेलवे स्टेशन के पास पार्किंग से टू-व्हीलर चोरी**

कल्याण. कल्याण वेस्ट रेलवे स्टेशन के पास पार्किंग से मुंबई पुलिस फोर्स के एक पुलिसवाले का टू-व्हीलर चोरी हो गया। हैरानी जताई जा रही है कि यह टू-व्हीलर पार्किंग से चोरी हुआ।

विनायक दिगंबर कासर (57) मुंबई पुलिस फोर्स में काम करते हैं। वह अपने परिवार के साथ कल्याण वेस्ट के कोलावली गांव की सीमा में एक सोसाइटी में रहते हैं। वह हर दिन अपनी दोपहिया गाड़ी से कल्याण रेलवे स्टेशन इलाके में आते हैं। वे अपनी बाइक यहां पार्किंग में पार्क करते हैं और फिर काम के लिए मुंबई जाने वाली ट्रेन पकड़ लेते हैं। पिछले हफ्ते, हमेशा की तरह, शिकायतकर्ता पुलिस अधिकारी विनायक कासर ने कल्याण पश्चिम रेलवे स्टेशन के पास रेलवे पुलिस स्टेशन के पीछे अजिंक्य एंटरप्राइजेज की पार्किंग में अपनी बाइक पार्क की। वह काम पर चले गए।

अपनी नाइट शिफ्ट की ड्यूटी खत्म करने के बाद, शिकायतकर्ता विनायक कासर अपनी बाइक लेने के लिए पार्किंग में आए। उस समय, उन्हें वहां बाइक नहीं मिली। उन्होंने पार्किंग इलाके और आसपास के इलाके में खोजबीन की। लेकिन उन्हें बाइक कहीं नहीं मिली। इसलिए, कासर ने महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें शक है कि कोई चोर बाइक चुरा ले गया है।

भुसावल-कल्याण के बीच गोरखपुर एक्सप्रेस से नाबालिग लड़का किडनैप

कल्याण. कुर्ला वेस्ट का एक 15 साल का लड़का, जो गर्मी की छुट्टियों में उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में अपने गांव गया था, वापसी के दौरान गोरखपुर एक्सप्रेस से लापता हो गया। लड़के के पिता ने कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है कि भुसावल और कल्याण के बीच किसी अनजान आदमी ने उसे किडनैप कर लिया।

कुर्ला वेस्ट के एक सोशल एक्टिविस्ट अतहर खान ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है। खान परिवार मुंबई मनपा के L वार्ड ऑफिस के पास कादर बिल्डिंग रोड पर रहता है। उनका बेटा IX क्लास में पढ़ता है और स्कूल की छुट्टियों में गोंडा जिले में अपने गांव गया था। स्कूल शुरू होने वाला था, इसलिए उसे भिवंडी से उसके जान-पहचान वाले अब्दुल अंसारी के परिवार के साथ गोरखपुर एक्सप्रेस से वापस भेज दिया गया।

अंसारी परिवार ने सफर के दौरान उसके साथ लंच किया। इस बीच, अतहर खान ने इटारसी स्टेशन पर लड़के से बात भी की थी। इसके बाद, लड़का रात में सो गया। भुसावल स्टेशन से निकलने के बाद, उसने अंसारी परिवार को बताया कि वह टॉयलेट जा रहा है। इसके बाद, अंसारी परिवार सो गया। जब कल्याण स्टेशन पर उतरने का समय हुआ, तो उन्होंने देखा कि लड़का कोच में नहीं है। उन्होंने उसे कोच के साथ-साथ प्लेटफ़ॉर्म पर भी खोजा। लेकिन वह कहीं नहीं मिला।

घटना की जानकारी मिलने पर, अतहर खान ने CSMT, दादर और ठाणे रेलवे स्टेशनों पर लड़के को खोजा। साथ ही, जब रेलवे स्टेशनों पर लगे CCTV फुटेज की जाँच की गई, तो उसमें यह नहीं दिखा कि लड़का कल्याण स्टेशन पर कोच से उतरा था। इसलिए, अतहर खान ने कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें शक है कि किसी अनजान व्यक्ति ने भुसावल और कल्याण के बीच उसके नाबालिग बेटे को किडनैप कर लिया है, और पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

यात्रियों की सरचार्ज वसूली, ST बस डिपो की कब होगी सफाई?

- **सरचार्ज के बावजूद बस स्टैंड, टॉयलेट में गंदगी बरकरार**
- **यात्री परेशान**

उल्हासनगर. ST महामंडल ने यात्रियों को साफ-सुथरी सर्विस देने के मकसद से हर टिकट पर 2 रुपये का 'सफाई सरचार्ज' लगाया है. लेकिन बस डिपो में हालात अभी भी 'जैसे के तैसे' हैं. कई बसें, बस स्टैंड, टॉयलेट और बस डिपो परिसर गंदे हैं, कचरे के ढेर हैं और बदबू आती है. इससे लोगों को परेशानी हो रही है और उनकी सेहत पर असर पड़ रहा है. जिले में लालपरी से रोज़ाना करीब लाखों यात्री सफर करते हैं. आम आदमी पूरी तरह से बस सर्विस पर निर्भर है, जो शहरी और ग्रामीण इलाकों की लाइफलाइन है.

विट्ठलवाड़ी डिपो से 9 हजार यात्री करते हैं सफर

प्रशासन ने हर टिकट पर 2 रुपये सफाई सरचार्ज लगाने का फैसला किया है. जिले में रोज़ाना लाखों यात्री सफ़र करते हैं, जबकि विट्ठलवाड़ी डिपो से 9 हज़ार यात्री सफ़र करते हैं. कहा गया कि इससे विट्ठलवाड़ी डिपो को हर महीने साढ़े पाँच लाख रुपये सफाई सरचार्ज के मिल रहे हैं.

इस फ़ंड का इस्तेमाल बस स्टेशनों पर टॉयलेट की खराब हालत, बसों में गंदगी और इलाके में जमा कचरे को खत्म करने के लिए करने का प्लान था. इसके पीछे मुख्य मकसद बस स्टेशनों को बाहरी तरीकों से साफ़ करके उनका कायापलट करना है.

बसें भले ही धूल-मिट्टी से सनी हों, लेकिन कई बसों की खिड़कियों पर धूल की परतें जमी हुई हैं. सीटों के पीछे थूकने और धूल के धब्बे साफ़ दिख रहे हैं. यात्रियों को गंदी जगहों पर बैठकर सफ़र करना पड़ रहा है. विट्ठलवाड़ी बस स्टेशन पर कचरे के ढेर जमा हो गए हैं. सीवेज खुले में बहाया जा रहा है. हर जगह प्लास्टिक की थैलियों के ढेर हैं और टॉयलेट की हालत बहुत खराब है.

महामंडल हर महीने जिले के अलग-अलग बस डिपो और बस स्टैंड की सफाई पर करीब लाखों खर्च करता है. इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद भी सफाई का लेवल नहीं सुधरा है.

> हम टिकट पर ज़्यादा पैसे दे रहे हैं, तो हमें सुविधाएं क्यों नहीं मिल रही हैं? क्या सिर्फ़ पैसे वसूलना ही मकसद है?
>
> –**विकास गीध**, यात्री

> टॉयलेट में पानी नहीं है और बदबू इतनी ज़्यादा है कि वहां खड़ा होना भी मुश्किल है. प्रशासन को इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए.
>
> –**रमेश बापट**, यात्री

> सफाई को लेकर सीनियर लेवल पर शिकायत की जाती है, लेकिन कॉन्ट्रैक्टर समय पर काम नहीं करता.
>
> –**राहुल कुंभारे**, मैनेजर, विट्ठलवाड़ी बस डिपो

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास — मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगढ़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

शांति के दावों के बीच कायम संकट

मणिपुर में सरकार के तमाम दावों के बावजूद हिंसा की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। सामुदायिक संघर्ष, उग्रवादी संगठनों की बढ़ती सक्रियता और सुरक्षाबलों की उदासीनता से राज्य में कानून-व्यवस्था फिर से पटरी से उतरती प्रतीत हो रही है। ऐसे में शांति कायम करने की दिशा में राजनीतिक इच्छाशक्ति, गंभीरता और संवेदनशीलता का अभाव भी साफ नजर आता है।

यही वजह है कि राज्य में उग्रवादियों के लक्षित हमले, आमजन को बंधक बनाने, निर्दोष लोगों की हत्या करने, आगजनी और इन वारदातों के विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। शुक्रवार को भी कांगपोकपी जिले में एक गांव पर सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया और गोलीबारी में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। सवाल है कि आखिर हिंसा की यह चिंगारी अंदर ही अंदर क्यों सुलगती जा रही है? दरअसल, यह सिर्फ कानून-व्यवस्था की ही समस्या नहीं है, बल्कि आम लोगों में पनप रहा अविश्वास और असुरक्षा की भावना भी इसकी बड़ी वजह है। गौरतलब है कि मणिपुर बीते तीन साल से भी अधिक समय से जातीय हिंसा का दंश झेल रहा है, जिसकी वजह से सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो चुके हैं। इस बीच राज्य और केंद्र सरकारों की ओर से हालात पर काबू पाने के लिए कई कदम उठाए गए, लेकिन अपेक्षित नतीजे सामने नहीं आए। हालांकि, पिछले कुछ समय में राज्य में हिंसक घटनाओं में कमी देखी गई, लेकिन इन पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है। राज्य सरकार का दावा है कि हिंसक वारदातों को अंजाम देने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटा जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर लोग सड़कों पर प्रदर्शन करते नजर आते हैं।

यह बात सच है कि केवल सामाजिक मतभेद इतने लंबे समय तक हिंसा को जीवित नहीं रख सकते। असली समस्या तब पैदा होती है जब लोगों का सरकार और प्रशासन पर भरोसा टूटने लगता है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि राज्य में उग्रवादी समूहों पर कड़ी नजर रखी जाए, हिंसक घटनाओं में तत्काल कार्रवाई की जाए और आपसी मतभेदों को दूर करने के लिए सरकार स्थायी समाधान तलाशने का प्रयास करे।

विमर्श

जनसांख्यिकी परिवर्तन की चुनौती

देश में जनसांख्यिकी परिवर्तन के कारण एवं उससे होने वाले प्रभाव के अध्ययन हेतु भारत सरकार ने एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है। कमेटी घुसपैठ एवं कुछ सामाजिक एवं धार्मिक समुदायों की जनसंख्या में असाधारण परिवर्तन के परीक्षण पश्चात प्रशासनिक एवं कानूनी ढांचे तथा नीतियों में परिवर्तन हेतु आवश्यक संस्तुति करेगी। सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज प्रकाश प्रभाकर नवलेकर की अध्यक्षता वाली कमेटी के गठन की घोषणा करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि घुसपैठ एवं अन्य कारणों से होने वाले जनसांख्यिकी परिवर्तन से देश की शांति व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा को बड़ा खतरा उत्पन्न हो गया है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार देश के कुछ हिस्सों में ऐसे जनसांख्यिकी परिवर्तन हुए हैं, जो सामान्य नहीं हैं। ये अवैध घुसपैठ, अनियमित आवागमन और प्रशासनिक ढिलाई के कारण हुए हैं। यह परिवर्तन विशेष तौर से सीमावर्ती इलाकों, औद्योगिक केंद्रों और सामाजिक तथा आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से जनसांख्यिकी परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था, 'एक साजिश के तहत जनसंख्या को बदला जा रहा है। घुसपैठिये देश के युवाओं की रोजी-रोटी छीन रहे हैं, बहनों और बेटियों को निशाना बना रहे हैं, भोले भाले आदिवासियों को गुमराह कर उनकी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' प्रधानमंत्री की इस घोषणा

पर कार्रवाई हेतु ही उपरोक्त कमेटी का गठन किया गया है।

भारत में घुसपैठ की कहानी बड़ी लंबी है। 1971 में जब पूर्वी पाकिस्तान बांग्लादेश बन गया तो ऐसी आशा थी कि सांप्रदायिक सौहार्द होगा और बांग्लादेश सरकार आर्थिक क्षेत्र में ऐसे कदम उठाएगी कि किसी को अपना देश छोड़कर जीविकोपार्जन के लिए कहीं और न जाना पड़े, परंतु दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। आर्थिक कारणों से भारी संख्या में लोग में घुसपैठ करते रहे और अनुमान है कि इनमें से 70 प्रतिशत मुसलमान थे। हिंदू मुख्य रूप से वहां प्रताड़ित होने के कारण भारत पलायन कर रहे थे। बांग्लादेश चुनाव आयोग के अभिलेखों को देखने से कुछ दिलचस्प आंकड़े सामने आते हैं। 1991 में बांग्लादेश में कुल 6,21,81,745 वोटर थे, परंतु इस सूची से 1995 में 61,65,567 लोगों के नाम काटने पड़े, क्योंकि उनका कहीं अता-पता नहीं था। 1996 में फिर 1,20,000 व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हटाने पड़े, क्योंकि उनका भी कुछ पता नहीं चला। इतनी बड़ी संख्या में लोग हवा में नहीं गायब हो रहे थे। ये सब धीरे-धीरे भारत में घुसपैठ कर रहे थे। बांग्लादेश का बुद्धिजीवी वर्ग इस घुसपैठ का बराबर समर्थन कर रहा था।

कारगिल युद्ध के बाद भारत सरकार ने चार टास्क फोर्स का गठन किया था। उनमें से एक माधव गोडबोले के नेतृत्व में सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याओं का गहन अध्ययन करने के लिए बनाई गई थी। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट 2000 में प्रस्तुत की। उसमें स्पष्ट लिखा है कि घुसपैठियों की संख्या एक करोड़ 50 लाख है। टास्क फोर्स के अनुसार तब प्रतिवर्ष करीब तीन लाख बांग्लादेशी नागरिक भारत में घुसपैठ कर रहे थे। टास्क फोर्स ने सभी दलों को इस समस्या से निपटने में उदासीन बताते हुए लिखा कि इतनी बड़ी संख्या में घुसपैठियों का होना देश की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और आर्थिक प्रगति के लिए खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी 2005 में इस समस्या का संज्ञान लेते हुए इसे 'जनसांख्यिकी आक्रमण' कहा। इस तरह समय-समय पर चेतावनी मिलती रही, पर सरकारों के कान में जूं नहीं रेंगी और समय बीतने के साथ समस्या और गंभीर होती गई।

आज शायद ही कोई ऐसा प्रदेश होगा जहां बांग्लादेशी कुछ न कुछ संख्या में न हों। बंगाल और असम में तो इनकी बाढ़ है। 1951 में बंगाल में मुस्लिम जनसंख्या 51,18,269 थी, 2011 में यह संख्या बढ़कर 2,46,54,825 हो गई। यानी 381.7 प्रतिशत की वृद्धि। असम में 1951 में मुस्लिम जनसंख्या 19,95,936 थी, 2011 में यह उछलकर1,06,79,345 हो गई। यानी 435.1 प्रतिशत की वृद्धि। आंकड़ों के अनुसार 1971 के बाद से हर दशक में मुस्लिम आबादी 80 से 85 प्रतिशत बढ़ी है। म्यांमार से भारी संख्या में रोहिंग्या भी घुसपैठ कर चुके हैं। ऐसे में उच्च स्तरीय समिति का गठन सही दिशा में एक कदम है, लेकिन कमेटी की रिपोर्ट आने तक घुसपैठियों के विरुद्ध

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

जब हम एक इंसान के रूप में इस संसार में आते हैं, तो यह हमारे लिए प्रभु के प्रेम को अनुभव करने का अवसर होता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

जवाबदेही तय किए बिना नहीं रुकेंगे ऐसे हादसे

कोई हादसा एक मामूली कोताही का नतीजा हो सकता है, लेकिन अगर वह गलती बनी रहती है या उससे सबक लेकर भविष्य में सावधानी बरतने और बचाव के जरूरी इंतजाम नहीं किए जाते हैं, तो उन्हें आपराधिक लापरवाही से कम नहीं माना जा सकता। दिल्ली में मालवीय नगर के एक होटल में दो दिन पहले आग लगने से इक्कीस लोगों की जान चली गई। इसके अलावा, बिहार के मुजफ्फरपुर के एक अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष सहित देश के अलग-अलग हिस्सों में कई जगहों पर रिहाइशी इमारतों में आग लगने की घटनाएं सामने आईं। जहां तक मालवीय नगर की घटना का सवाल है, तो यह संभव है कि वहां अचानक लगी आग पूरी इमारत में फैल गई। मगर इतने लोगों के मारे जाने के बाद अब जो तथ्य उजागर हो रहे हैं, उससे यही साबित होता है कि इस हादसे की समूची भूमिका पहले से तैयार थी और इसमें इमारत के मालिक से लेकर सरकार के संबंधित महकमों के अधिकारियों की भी जिम्मेदारी थी।

सवाल है कि अगर होटल के पास दिल्ली अग्निशमन विभाग की ओर से जारी किया जाने वाला अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं था, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। फिर छह कमरों के लाइसेंस पर अगर पच्चीस कमरे अवैध रूप से बनाकर कारोबार

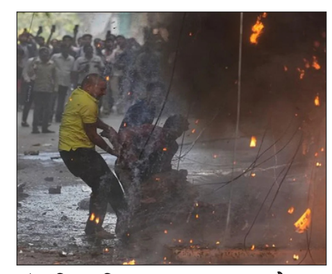

संचालित किया जा रहा था, तो यह किसकी अनदेखी से संभव हुआ? धोखाधड़ी करके इमारत के भूतल पर एक पूरी रेस्तरां चलाई जा रही थी, तो क्या यह कोई छिपी गतिविधि थी?

जिस इमारत में अलग-अलग कारणों से हर समय खासी संख्या में लोगों के मौजूद होने की स्थिति थी, वहां आग लगने या अन्य किसी आपात स्थिति में बचने के लिए बाहर निकलने का रास्ता बाधित क्यों था? इलेक्ट्रॉनिक लॉक प्रणाली से जोखिम की आशंका होने के बावजूद मुख्य दरवाजे के खुलने-बंद होने की डिजिटल व्यवस्था की अनुमति किसने दी थी? सच यह है कि इमारत में जो हादसा सामने आया, वह सिर्फ कमाई की अदम्य भूख में सुरक्षा इंतजामों के अनिवार्य पहलू को लेकर एक आपराधिक लापरवाही और सरकार के संबंधित महकमों की ओर से की गई अफसोसनाक अनदेखी का नतीजा है।

दरअसल, नियमों को ताक पर रखकर चलाई जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र के संचालक तभी ऐसा कर पाते हैं, जब पुलिस या अनिवार्य व्यवस्थागत इंतजामों की समय-समय पर जांच और निगरानी करने वाले अधिकारी उन्हें अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा करने की छूट देते हैं। इसके पीछे अवैध लेनदेन पर आधारित सांठगांठ हो सकती है। विडंबना यह है कि जो लोग इस तरह के भ्रष्टाचार में लिप्त होते हैं, उन्हें इस बात की शायद कोई फिक्र नहीं होती कि उनकी ऐसी हरकतों का अंजाम कितना त्रासद हो सकता है। अगर कोई मामला तूल पकड़ लेता है, तो सरकार और पुलिस की ओर से आनन-फानन में फौरी तौर पर कानूनी कार्रवाई के लिए अतिरिक्त सक्रियता दिखती है।

मगर ऐसे हादसों की जांच के नतीजे, कानूनी कार्रवाई और सजा की हालत यह है कि वह शायद ही किसी सबक के लिए उदाहरण साबित होती है। जरूरत इस बात की है कि खासतौर पर ज्यादा लोगों के जमा होने वाली इमारतों में आग लगने या किसी भी अन्य वजह से जोखिम पैदा होने की आशंका वाली जगहों के सुरक्षा इंतजामों को लेकर कोई समझौता न हो। साथ ही नियमों की अनदेखी करने या उन्हें ताक पर रखकर गतिविधियां संचालित करने वालों के खिलाफ उचित सख्ती बरती जाए।

ना एसी, ना कूलर... हर मौसम में ठंडा रहता यह महल!

मिथिला की धरती पर बसी एक इमारत ऐसी है जो अपनी खूबसूरती से आज भी सबका दिल जीत लेती है.

जरा हट के

उसका नाम है बेला पैलेस. दरभंगा राज परिवार की विरासत का ये अहम हिस्सा अपनी भव्य बनावट और हरे-भरे बगीचों के लिए पूरे देश में जाना जाता है. इसे देखकर आप सच में मिथिला की वादियों में घुल जाएंगे.

राजसी इतिहास की झलक

20वीं सदी के शुरुआती दशक में, जब यूरोपियन वास्तुकला का दौर था, दरभंगा महाराज कामेश्वर सिंह ने अपने छोटे भाई विशेश्वर सिंह के लिए इस भवन का निर्माण करवाया था. पूरी इमारत यूरोपियन शैली में बनी है. ऊँचे खंभे, बड़े-बड़े झरोखे, घुमावदार सीढ़ियाँ और कलात्मक डिजाइन—हर कोना राजशाही का गवाह है.

बेला पैलेस के ठीक बगल में सड़क के उस पार 'कल्याणी

निवास' है.

प्रकृति और वास्तु का संगम

इस भवन की सबसे बड़ी खूबी इसकी बनावट के साथ-साथ चारों ओर फैला हरियाली भरा बगीचा है. चारों तरफ करीब 20 एकड़ में फैले पार्क जैसे बगीचे लगाए गए हैं. हरे-भरे पेड़-पौधे, लॉन और फूलों की क्यारियाँ इस महल की सुंदरता को दोगुना कर देती हैं. कहा जाता है कि बगीचे की वजह से ही बेला पैलेस और भी आकर्षक लगता है.

इसकी एक और खासियत है यहां का अनुकूल वातावरण. प्रचंड गर्मी हो या कड़ाके की ठंड, बेला पैलेस के अंदर का मौसम हमेशा सुहावना रहता है. 20वीं सदी की शुरुआत में बिना आधुनिक तकनीक के ऐसी इंजीनियरिंग सोचना दरभंगा महाराज की दूरदर्शिता को दिखाता है . आज के समय में जब हम इंजीनियरिंग पर गर्व करते हैं, तब बेला पैलेस हमें याद दिलाता है कि हमारे पूर्वज कितने कुशल और कलाप्रेमी थे. मिथिला की मिट्टी से बना ये महल सिर्फ ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि दरभंगा राज की शान और शौर्य की निशानी है.

भरवां टमाटर

सामग्री

- टमाटर - 5 से 6
- आलू - 3
- पनीर - आधा कप
- प्याज - 1
- हरी मिर्च - 2
- अदरक-लहसुन का पेस्ट - 1 चम्मच
- बारीक कटा हुआ हरा धनिया - 2 बड़े चम्मच
- काजू और किशमिश - 1-1 चम्मच
- जीरा - 1 छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडर - आधा छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर - 1 छोटा चम्मच
- धनिया पाउडर - 1 छोटा चम्मच
- गरम मसाला - आधा छोटा चम्मच
- अमचूर पाउडर - आधा छोटा चम्मच
- नमक - स्वादानुसार
- तेल - 2 से 3 बड़े चम्मच

विधि

सबसे पहले चाकू की मदद से टमाटर के ऊपरी हिस्से को थोड़ा-सा काट कर अलग कर दें। एक छोटे चम्मच की मदद से टमाटर के अंदर का गूदा और बीज सावधानी से निकाल लें। एक पैन में एक चम्मच तेल गरम करें। इसमें जीरा डालें और चटकने दें। फिर बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च और अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का सुनहरा होने तक भून लें। अब इसमें मैश किए हुए आलू, कद्दूकस किया पनीर, काजू-किशमिश और सारे सूखे मसाले (हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, अमचूर और नमक) डाल दें। इस मिश्रण को 2-3 मिनट तक अच्छे से भूनें। गैस बंद करें, हरा धनिया मिलाएं और स्टफिंग को ठंडा होने दें। जब स्टफिंग थोड़ी ठंडी हो जाए, तो इसे खोखले किए गए टमाटरों के अंदर अच्छी तरह से दबा-दबा कर भर दें। अब एक चौड़े और भारी तले वाले पैन या कड़ाही में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें। गैस की आंच धीमी कर दें और भरे हुए टमाटरों को सावधानी से पैन में सीधा रख दें। पैन को ढक दें और टमाटरों को धीमी आंच पर 4 से 5 मिनट तक पकने दें। जब टमाटर बाहर से हल्के सिक जाएं और अंदर की स्टफिंग भी गर्म हो जाए, तो गैस बंद कर दें।

बोटॉक्स और फिलर्स छीन रहे एक्सप्रेशन!

चेहरा क्यों 'फ्रीज' करवा रहे सितारे?

- आजकल हॉलीवुड में खूबसूरत और हमेशा जवां दिखने की एक अजीब-सी होड़ मची है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुंदर दिखने की यह चाहत अब फिल्मों और एक्टिंग को बर्बाद कर रही है?
- जी हां, परफेक्ट दिखने के लिए बोटॉक्स और डर्मल फिलर का इस्तेमाल इतनी तेजी से बढ़ा है कि अब कलाकारों के चेहरों से असली हाव-भाव ही गायब होते जा रहे हैं। डायरेक्टर्स से लेकर खुद कलाकार तक अब इस समस्या से परेशान हैं।

डायरेक्टर्स भी हैं परेशान

इस कॉस्मेटिक बदलाव का असर अब फिल्मों और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर साफ दिखने लगा है। हॉलीवुड के कई डायरेक्टर्स की शिकायत है फिलर्स और बोटॉक्स के कारण स्क्रीन पर कई कलाकार जरूरी इमोशन्स और एक्सप्रेशन ही नहीं दिखा पा रहे हैं।

आजकल कई सेलिब्रिटीज महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की जगह फूले हुए होंठ, खिंची हुई त्वचा और बिल्कुल स्थिर माथे को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। नतीजा यह है कि स्क्रीन पर उनके चेहरे बंधे हुए और अस्वाभाविक नजर आते हैं।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि चेहरे का न हिलना अब एक स्टैंडर्ड बनता जा रहा है, जो बेहतरीन एक्टिंग के लिए एक बड़ा खतरा है। असल में सबसे शानदार परफॉर्मेंस तब निकलकर आती है जब कलाकार परफेक्ट दिखने की चिंता छोड़कर खुलकर एक्सप्रेशन और इमोशन्स देते हैं।

पुरुष कलाकार भी निशाने पर

अक्सर माना जाता है कि सुंदर

दिखने का दबाव सिर्फ महिलाओं पर होता है, लेकिन अब हॉलीवुड के पुरुष कलाकार भी इस जाल में फंस चुके हैं। एक जाने-माने अभिनेता पर जब सोशल मीडिया पर फिलर करवाने के आरोप लगे और भद्दे कमेंट्स किए गए, तो उन्होंने पब्लिक लाइफ से दूरी बनाना शुरू कर दिया।

सोशल मीडिया ट्रोलिंग से मानसिक सेहत पर असर

चेहरे पर किए जाने वाले इन कॉस्मेटिक बदलावों और उसके बाद होने वाली सोशल मीडिया ट्रोलिंग का असर कलाकारों की मानसिक सेहत पर बहुत बुरा पड़ रहा है। युवा कलाकार इससे डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। जैसे- एक 22 साल की ब्रिटिश अभिनेत्री को एक प्रेस टूर के दौरान अपने फ्रीज एक्सप्रेशंस के कारण लोगों की ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा।

किरदार की सच्चाई के लिए कॉस्मेटिक से दूरी

इस बढ़ते चलन के बीच कुछ अभिनेत्रियां ऐसी भी हैं जो अपने किरदार को पर्दे पर सच्चा बनाए रखने के लिए इन ट्रीटमेंट्स से दूरी बना रही हैं। एक अभिनेत्री ने 1980 के दशक के बैकग्राउंड वाली फिल्म की शूटिंग के दौरान बोटॉक्स लेना पूरी तरह बंद कर दिया। वहीं एक दूसरी टॉप अभिनेत्री ने साफ किया कि वह बोटॉक्स तो लेती हैं, लेकिन अपने माथे पर फिलर कभी नहीं करवाएंगी, क्योंकि वह कैमरे पर साफ और अलग दिखाई देता है।

भारत में भी तेजी से पैर पसार रहा है यह ट्रेंड

यह कहानी सिर्फ विदेशों तक सीमित नहीं है, भारत में भी बोटॉक्स और डर्मल फिलर का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। साल 2024 के एक सर्वे के आंकड़ों के मुताबिक, देश में 76,720 बोटॉक्स और 97,160 फिलर की एस्थेटिक प्रोसेस दर्ज की गईं। यह आंकड़े बताते हैं कि अपने लुक को बेहतर बनाने और सुंदरता को निखारने का यह इलाज अब भारतीय मनोरंजन जगत और आम लोगों में भी अपनी जगह बना चुका है।

आज का राशिफल

मेष : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

वृषभ : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है।

मिथुन : कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

कर्क : मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है। धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे।

सिंह : आज कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। कुसंगति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं।

कन्या : धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

तुला : धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा।

वृश्चिक : किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कष्ट व भय सताएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

धनु : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें।

मकर : आज नौकरी में आपकी प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कुंभ : दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा।

मीन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। किसी न्यायपूर्ण बात का भी विरोध हो सकता है। कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

गले से उतरते ही पित्त की थैली में पथरी बनाते हैं ये फूड्स

पित्ताशय (गॉलब्लैडर) शरीर का एक छोटा अंग होता है, जो लिवर के नीचे स्थित रहता है. इसका मुख्य काम पित्त (बाइल) को जमा करना और जरूरत पड़ने पर छोटी आंत में छोड़ना होता है, जिससे खाने में मौजूद वसा (फैट) को पचाने में मदद मिलती है. जब पित्त में मौजूद कुछ तत्व धीरे-धीरे सख्त होने लगते हैं, तो वे पथरी का रूप ले लेते हैं. इसे ही पित्ताशय की पथरी या गॉलब्लैडर स्टोन कहा जाता है. कई लोगों को तब तक इसका पता नहीं चलता, जब तक पथरी बड़ी न हो जाए या दर्द शुरू न हो जाए. ऐसे मामलों में अक्सर ऑपरेशन की जरूरत पड़ सकती है, जिसका खर्च भी काफी अधिक होता है. इसलिए समय रहते खानपान पर ध्यान देना बहुत जरूरी है. क्योंकि कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे हैं, जो पथरी को बनाने का काम करते हैं.

प्रोसेस्ड फूड्स

आजकल लोग स्वाद और सुविधा के कारण प्रोसेस्ड फूड्स का खूब सेवन करते हैं. चिप्स, पैकेट वाले स्नैक्स, इंस्टेंट फूड और अन्य पैकेज्ड चीजें इसी श्रेणी में आती हैं. इनमें अधिक मात्रा में अनहेल्दी फैट, नमक और चीनी होती है. ये शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का काम करते हैं, जिससे पित्ताशय में पथरी बनने का जोखिम बढ़ सकता है. साथ ही ये दिल,

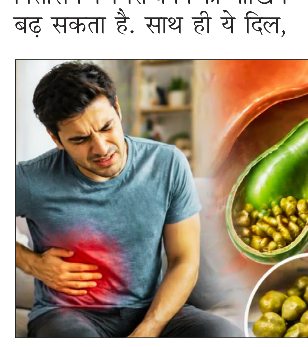

लिवर और पाचन तंत्र पर भी बुरा असर डालते हैं.

ज्यादा चीनी वाले पदार्थ

केवल चीनी ही नहीं, बल्कि मीठे पेय, मिठाइयां, बिस्किट, केक और अन्य पैकेज्ड खाद्य पदार्थ भी शरीर में अतिरिक्त शुगर पहुंचाते हैं. अधिक चीनी का सेवन शरीर में फैट और कोलेस्ट्रॉल बढ़ा सकता है. इससे गॉलब्लैडर स्टोन बनने की संभावना बढ़ जाती है. इसलिए मीठी चीजों का सेवन सीमित मात्रा में करना बेहतर होता है.

रेड मीट

मटन, बीफ और अन्य रेड मीट में सैचुरेटेड फैट और कोलेस्ट्रॉल काफी अधिक होता है. यदि इनका सेवन बार-बार और अधिक मात्रा में किया जाए, तो पित्ताशय पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है. इससे पथरी बनने का खतरा बढ़ने के साथ-साथ पहले से मौजूद समस्या भी गंभीर हो सकती है.

तले हुए खाद्य पदार्थ

समोसा, कचौड़ी, फ्रेंच फ्राइज और अन्य डीप-फ्राइड चीजें स्वादिष्ट जरूर होती हैं, लेकिन इनमें अनहेल्दी फैट और अधिक कैलोरी होती है. ऐसे खाद्य पदार्थ शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ाकर पित्ताशय की सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं. इनके अधिक सेवन से पथरी बनने का जोखिम भी बढ़ सकता है.

लहसुन के छिलके बनेंगे सूखते पौधों के लिए संजीवनी

फ्री नुस्खा फूलों से भर देगा गार्डन

रोजाना खाना बनाते समय निकलने वाले लहसुन के छिलकों को अक्सर बेकार समझ लिया जाता है, लेकिन इनमें कई ऐसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो पौधों की बढ़िया ग्रोथ में मदद करते हैं. इनमें पोटैशियम, फॉस्फोरस, कैल्शियम और आयरन जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं. इतना ही नहीं, लहसुन में प्राकृतिक एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल गुण भी होते हैं. यही वजह है कि इसका इस्तेमाल पौधों को फंगस, सड़न और कई तरह के कीड़ों से बचाने में भी मदद कर सकता है.

फर्टिलाइजर बनाने के लिए क्या चाहिए?

इस आसान घरेलू खाद को तैयार करने के लिए आपको किसी महंगे सामान की जरूरत नहीं है. सिर्फ ये चीजें काफी हैं:

1. 2 से 3 मुट्ठी लहसुन के छिलके
2. आधा लीटर साफ पानी
3. प्लास्टिक या कांच का डिब्बा
4. छन्नी

ऐसे तैयार करें लहसुन के छिलकों का लिक्विड फर्टिलाइजर

सबसे पहले लहसुन के छिलकों को इकट्ठा कर लें. जब पर्याप्त मात्रा में छिलके जमा हो जाएं, तब एक साफ डिब्बे में आधा लीटर पानी भरें और उसमें सभी छिलके डाल दें. ध्यान रखें कि छिलके पूरी तरह पानी में डूबे रहें. इससे उनमें मौजूद पोषक तत्व धीरे-धीरे पानी में घुलने लगेंगे.

धूप नहीं, छांव में रखें

डिब्बे को ढक्कन या प्लेट से ढक दें और ऐसी जगह रख दें जहां सीधी धूप न आती हो. इसे लगभग 2 से 3 दिनों तक ऐसे ही छोड़ दें. इन दिनों में पानी का रंग बदलने लगेगा और छिलकों का अर्क उसमें मिल जाएगा. यही प्रक्रिया इस घोल को पौधों के लिए ताकतवर ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर बनाती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बेहोशी की हालत में बंधा मिला युवक, कपड़ों पर लगा था सिंदूर, नरबलि की कोशिश!

अलीगढ़. अलीगढ़ में युवक की नरबलि की कोशिश की गई। खंडहरनुमा मकान के अंदर से युवक को बेहोशी की हालत में बरामद किया गया है। युवक के हाथ-पैर बंधे थे। उसके पूरे कपड़ों पर सिंदूर लगा था। जिस जगह से युवक को बरामद किया गया है वहीं पास मंत्र-मंत्र का सामान भी बरामद हुआ है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार कस्बा अकराबाद के मोहल्ला पिलखना निवासी शिवकुमार उम्र 20 वर्ष पुत्र पप्पू जाटव रविवार सुबह अपने घर के सामने स्थित एक खाली खंडहरनुमा मकान में बेहोशी की हालत में मिला। युवक के हाथ-पैर बंधे हुए थे तथा उसके शरीर और कपड़ों पर सिंदूर लगा हुआ था। परिजनों के मुताबिक युवक शनिवार देर रात करीब तीन बजे शौच के लिए घर से निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। रविवार सुबह वह उक्त हालत में मिला।

किसान ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में लखनऊ के बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के गोसाईं पुरवा गांव में रविवार की सुबह एक 52 वर्षीय किसान ने आम के पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान देवरी रुखारा मजरा निवासी प्रेमचंद गोस्वामी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार प्रेमचंद सुबह मवेशियों को चारा-पानी देने के बाद खेत में भिंडी तोड़ने जाने की बात कहकर घर से निकले थे। खेत के समीप एक बंद पड़ी प्लाई फैक्ट्री परिसर में लगे आम के पेड़ पर उन्होंने गमछे का फंदा बनाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।सुबह ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी, जिसके बाद परिजनों को सूचना दी गई।

बारात में भड़का पुरानी रंजिश का विवाद, बुजुर्ग की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या

वाराणसी. वाराणसी में बरजी (फूलपुर) गांव में शनिवार को मनबढ़ों ने भोथू यादव (60) की लाठी-डंडा और बांस से पीटकर हत्या कर दी। इस प्रकरण में गांव के ही युवक अनीश यादव समेत तीन के खिलाफ नामजद तथा अन्य अज्ञात के खिलाफ फूलपुर थाने में केस दर्ज हुआ है। गांव में भारी संख्या में पुलिस तैनात की गई है। परिजनों का आरोप है कि भोथू को गोली मारी गई, हालांकि पुलिस इनकार कर रही है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार भोथू यादव और नन्हेंलाल यादव के परिवारों के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही है। बीते 14 मई को गांव में आई एक बरात में भोथू यादव के बेटे ललित मोहन और नन्हेंलाल के बेटे अनिश यादव के बीच कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि उसमें अनिश ने ललित मोहन को मारपीट कर जख्मी कर दिया था। इस घटना के बाद दोनों पक्ष में तनाव बढ़ गया था।

मदरसे के पास लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबू

अयोध्या। अयोध्या के रुदौली कोतवाली क्षेत्र के खैरनपुर स्थित दारुल उलूम मखदूमिया मदरसे के बगल में शनिवार की देर शाम को अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना मिलने पर रुदौली फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। वहीं रुदौली कोतवाली के क्राइम इंस्पेक्टर शत्रोहन सिंह अपने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

ईरान की खजाने पर अमेरिका की नजर

सीजफायर लागू होने के बावजूद अमेरिक और ईरान के बीच तनाव कम होने के बजाय बढ़ता जा रहा है। अमेरिका अब ईरान की फ्रीज की गई संपत्तियों को खाड़ी देशों के नुकसान की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, ईरान द्वारा कुवैत और बहरीन पर किए गए ड्रोन-मिसाइल हमलों के बाद वाशिंगटन इस कदम पर गंभीरता से विचार कर रहा है। रॉयटर्स के अनुसार, शनिवार को सूत्रों ने बताया कि अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक विशेष टीम को ईरान द्वारा खाड़ी सहयोगी देशों को पहुंचाए गए नुकसान का विस्तृत आकलन करने का निर्देश दिया है। टीम भविष्य में होने वाले किसी भी हमले या विनाश की मरम्मत के लिए ईरानी संसाधनों के उपयोग पर भी मंथन करेगी।

बताया जा रहा है कि यह मामला ईरान के सर्वोच्च नेता के सलाहकार मोहसेन रेजाई के उस बयान के ठीक

एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि तीन महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा फ्रीज की गई 24 अरब डॉलर की ईरानी संपत्तियों को रिहा करना जरूरी है।

■ बातचीत ठप, नया तनाव की आशंका

सूत्रों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वित्त मंत्रालय किस प्रकार की ईरानी संपत्तियों की जांच कर रहा है, लेकिन प्रयुक्त शब्दावली से संकेत मिलता है कि यह केवल फ्रीज की गई संपत्तियों तक सीमित नहीं रहेगी। ईरानी संपत्तियों को दूसरी दिशा में मोड़ने की यह धमकी मौजूदा नाजुक युद्धविराम को नया झटका दे सकती है। इस सप्ताह के अंत में दोनों पक्षों के हमलों से सीजफायर की परीक्षा हो चुकी है और शांति वार्ता ठप पड़ती नजर आ रही है। हालांकि, मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान के एक मंत्री शनिवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के लिए पत्र लेकर तेहरान पहुंचे। इस बात की ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी आईएसएनए ने की है।

■ तेल उत्पादन पर असर

वहीं, ओपेक रविवार को लगातार चौथे महीने तेल उत्पादन लक्ष्यों में बढ़ोतरी पर सहमत होने जा रहा है, हालांकि युद्ध के कारण कई सदस्य देश पूर्ण उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। युद्ध से वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हुई है और पेट्रोल की कीमतें बढ़ गई हैं। अमेरिका और ईरान तीन महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए अप्रत्यक्ष बातचीत कर रहे हैं। अंतरिम समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम समेत अन्य मुद्दों को आगे की चर्चा के लिए छोड़ा गया है, लेकिन बार-बार होने वाली झड़पों के कारण प्रक्रिया रुक रही है।

होर्मुज स्ट्रेट में तनाव, हमले जारी

दूसरी ओर अमेरिकी सेना ने शनिवार तड़के होर्मुज स्ट्रेट में स्थित गोरुक और केशम द्वीपों पर ईरानी तटीय रडार ठिकानों पर हमला किया। अमेरिकी केंद्रीय कमान के मुताबिक, ईरानी ड्रोनों ने समुद्री यातायात को खतरे में डाला था। देर रात अमेरिकी बलों ने दो और ईरानी हमलावर ड्रोनों को मार गिराया। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमला किया।
कुवैत की सेना ने आवासीय इलाकों के ऊपर से गुजर रही सात बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट कर दिया, जिसमें भौतिक क्षति हुई लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। बहरीन में सायरन बजाए गए और नागरिकों को सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी गई। हालांकि ईरान ने बाद में दावा किया कि उसने दोनों देशों में अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जबकि अमेरिकी सेना का कहना है कि छह मिसाइलों को रोका गया और सातवीं लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

■ ट्रंप पर बढ़ रहा दबाव

बढ़ती पेट्रोल कीमतों और मुद्रास्फीति के कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर युद्ध समाप्त करने का घरेलू राजनीतिक दबाव तेज हो गया है। एनबीसी को दिए गए साक्षात्कार में ट्रंप ने स्वीकार किया कि ईरान के अधिकांश ड्रोन और मिसाइल प्लांट नष्ट हो चुके हैं, लेकिन उसके पास कुल मिसाइलों का लगभग 21-22 प्रतिशत अभी भी बचा हुआ है।

■ इजरायल-लेबनान सीमा पर नया तनाव

इस बीच, इजरायली सेना ने रविवार को बताया कि उसने लेबनान से दागी गई दो मिसाइलों को इजरायली क्षेत्र में घुसने से पहले रोक लिया। यह घटना लेबनान में इजरायली हमले में दो अधिकारियों और एक सैनिक के मारे जाने के एक दिन बाद हुई है।

8 जून की बैठक से पहले इंडिया ब्लॉक में विवाद

■ CPM-JMM ने भी कांग्रेस से नाराजगी जताई

■ AAP-DMK ने पहले ही खुद को अलग किया

दावा- TVK को साथ लाने की कोशिश

रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीवीके को 8 जून को दिल्ली में होने वाली बैठक में शामिल करवाने की कोशिश की जा रही है। बैठक में ममता बनर्जी द्वारा बंगाल में टीएमसी नेताओं पर हुए हमलों का मुद्दा उठाने और इंडिया ब्लॉक के दलों का समर्थन जुटाने की भी उम्मीद है।

नई दिल्ली. इंडिया ब्लॉक की बैठक से पहले सहयोगी दलों ने कांग्रेस पर साथ न देने का आरोप लगाया है। शनिवार को CPI(M) के महासचिव एम. ए. बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने लगातार यह प्रचार किया कि CPI(M) और BJP के बीच कोई अंदरूनी डील हुई है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने केरल विधानसभा चुनाव के दौरान पूर्व सीएम पिनराई विजयन के खिलाफ ED की कार्रवाई की मांग की, जिससे पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा।

शुक्रवार को JMM ने भी कहा कि कांग्रेस ने उनसे बिना पूछे राज्यसभा सीट के उम्मीदवार का नाम घोषित कर दिया। इसलिए वे दोनों सीटों पर उम्मीदवार उतारेंगे। दरअसल, 18 जून को झारखंड में दो राज्यसभा सीटों पर वोटिंग होनी है।

वहीं, DMK पहले ही कह चुकी है कि वह 8 जून को होने वाली बैठक में शामिल नहीं होगी। तमिलनाडु में कांग्रेस के TVK को समर्थन देने के बाद से दोनों पार्टियों के बीच विवाद चल रहा है।

■ बैठक में ममता, उद्धव और अखिलेश शामिल हो सकते हैं

PTI से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, बैठक में पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी शामिल हो सकते हैं।

बैठक में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का मुकाबला करने और विपक्षी एकजुटता को मजबूत करने की संयुक्त रणनीति पर चर्चा की जाएगी। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों और कई राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों पर भी बातचीत संभव है।

राज्य समेत 8 राज्यों में पहुंचा मानसून

नई दिल्ली. मानसून दक्षिण कोंकण पहुंच गया है। इसके चलते 9 जून तक सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। हालांकि अगले हफ्ते तक राज्य में बारिश का पैटर्न कमजोर रहने की उम्मीद है।

IMD के मुताबिक पूर्वोत्तर के मिजोरम और मणिपुर में भी मानसून पहुंच चुका है। अगले दो दिन में यह महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के बाकी हिस्सों, तेलंगाना और पूर्वोत्तर के बाकी राज्यों में पहुंच सकता है। मानसून के कारण केरलम, कर्नाटक, गोवा और तमिलनाडु में कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हालांकि तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में लगातार 5वें दिन पारा 40 डिग्री का आंकड़ा पार कर गया। उत्तर भारत में भी पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ दिल्ली, यूपी, पूर्वी राजस्थान में तेज गर्मी का दौर दोबारा शुरू हो गया है। यहां कई इलाकों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। देश में गुजरात को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश समेत नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में शनिवार को तेज बारिश हुई। एमपी में भोपाल समेत 4 जिलों में 50kmph की रफ्तार वाली आंधी चली। राजस्थान के बीकानेर में बारिश के साथ ओले गिरे। यूपी के मऊ और गाजीपुर में भी शनिवार को बारिश हुई।

खुद बांग्लादेश लौटने के लिए सामने आ रहे अवैध प्रवासी

■ बंगाल में रोज 200-300 लोगों का वेरिफिकेशन

■ बॉर्डर पर दोनों देशों में एक जैसा तनाव

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले की हकीमपुर चेकपोस्ट पर इन दिनों अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की भीड़ जुट रही है। ये लोग खुद अपनी पहचान बताकर बांग्लादेश लौटने की इच्छा जता रहे हैं। हालांकि, सीमा सुरक्षा बल (BSF) उन्हें सीधे सीमा पार भेजने के बजाय बायोमीट्रिक और अन्य पहचान पत्र लेकर बंगाल में बनाए गए होल्डिंग सेंटरों में भेज रही है। हकीमपुर बॉर्डर पर वेरिफिकेशन सेंटर पर रोजाना करीब 200 से 300 लोग वेरिफिकेशन के लिए पहुंच रहे हैं।

इनमें से कई लोग सालों पहले अवैध रूप से भारत आए थे और अब बदलते हालात के बीच अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। कई लोगों के पास भारतीय दस्तावेज हैं, लेकिन बांग्लादेशी पहचान संबंधी कागजात नहीं हैं।

BSF के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि पहली बार ऐसी स्थिति बनी है जब अवैध प्रवासियों को तलाशने की जरूरत नहीं पड़ रही। लोग खुद वेरिफिकेशन कराने और अपनी पहचान दर्ज कराने के लिए चेकपोस्ट पर पहुंच रहे हैं।

प्रवासी ने कहा- भारत में रह नहीं पा रहे, बांग्लादेश जा नहीं सकते

मुंबई में रह रहे मोहम्मद अख्तर शेख ने बताया कि वह 22 साल पहले बांग्लादेश से भारत आए थे। उनके पास भारतीय आधार कार्ड है, लेकिन बांग्लादेश का कोई दस्तावेज नहीं है। उन्हें डर है कि अब वे न बच्चों के साथ रह पाएंगे और न ही बांग्लादेश जा सकेंगे।'

अधिकारी के अनुसार, सुबह से शाम तक लोगों की लंबी कतारें लगी रहती हैं और वेरिफिकेशन में काफी समय लग रहा है। स्थानीय संगठन 'भूखा मानुसेर अधिकार अभियान' के अध्यक्ष मोहर मंडल के अनुसार, वेरिफिकेशन कराने पहुंच रहे अधिकांश लोग बांग्लादेश के छह जिलों से हैं और अवैध रूप से भारत आए थे।

वाराणसी के भीतर नहीं मिलेगा मीट-मछली

वाराणसी. यूपी की धार्मिक नगर वाराणसी में अब शहर के भीतर हर गली-मोहल्ले में मीट-मांस और मछली की बिक्री जल्द ही पुरानी बात हो जाएगी। दरअसल, वाराणसी नगर निगम ने शहर को व्यवस्थित और स्वच्छ रखने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। जिसके तहत अब मीट-मांस व मछली की सभी दुकानें शहर की सीमा से बाहर स्थानांतरित की जाएंगी। महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में टाउन हॉल भवन में आयोजित सदन की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगाते हुए रूपरेखा स्पष्ट कर दी गई। बैठक में शहर के चतुर्दिक विकास, अतिक्रमण और जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिसमें मीट-मछली के बाजारों को शहर के बाहरी छोर पर व्यवस्थित करने का निर्णय सबसे प्रमुख रहा।

नेपाल ने माना भारत का लोहा

■ सीमा विवाद पर बोला- खुले मन से होगी बातचीत

नई दिल्ली. सीमा विवाद को लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की टिप्पणी के बाद अब नेपाल नरम पड़ता दिख रहा है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने भारत की ताकत का लोहा मानते हुए कहा कि भारत एक बड़ी तकनीकी और आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि नेपाल भारत के साथ सौहार्दपूर्ण बातचीत के जरिए ही सीमा विवाद का हल चाहता है।

भारत दौरे पर आए खनाल ने कहा, जब हम सीमा की ओर देखते हैं तो भारत एक आर्थिक महाशक्ति के तौर पर नजर आता है। उन्होंने कहा कि भारत ने वैश्विक स्तर पर खुद को साबित किया है और अर्थव्यवस्था के मामले में मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि नेपाल की नई सरकार भारत को किसी भी मायने में विरोधी के तौर पर नहीं देखती है।

■ भारत से चाहते हैं अच्छे संबंध

खनाल ने कहा कि हम अब अतीत के मामलों के साथ बंधे नहीं रहना चाहते हैं बल्कि भारत के साथ परस्पर लाभकारी संबंध चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ सीमा मुद्दे को 'खुले मन' से और द्विपक्षीय ढांचे के आधार पर हल करना चाहते है। हम 21वीं सदी की भू-राजनीति के विकृत, अति संवेदनशील नजरिए से भारत को नहीं देखते। बता दें कि खनाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच एक दिन पहले ही बातचीत हुई है।

खनाल भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आए हैं। खनाल ने कहा कि जब हम खुले मन से साथ बैठेंगे तो सब साफ हो जाएगा और कोई भी मुद्दा इतना जटिल नहींहै कि जिसका हल ना निकल सके। उन्होंने कहा कि आंकड़ों और तथ्यों के आधार पर सारी बातचीत होगी तो हल भी निकल आएगा।

19 साल की एंड्रीवा ने फ्रेंच ओपन जीता

■ अब तक की दूसरी सबसे युवा चैंपियन

■ फाइनल में च्वालिंस्का को 6-3, 6-2 से हराया

19 साल की मीरा एंड्रीवा ने पहली बार फ्रेंच ओपन जीत लिया है। शनिवार को खेले गए विमेंस सिंगल्स फाइनल में उन्होंने पोलैंड की माया च्वालिंस्का को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। यह मुकाबला 1 घंटे 22 मिनट तक चला।

एंड्रीवा फ्रेंच ओपन जीतने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। उनसे पहले 1992 में 18 साल की मोनिका सेलेस ने यह टाइटल अपने नाम किया था।

■ करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब

रूस की एंड्रीवा का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। वे पूरे मुकाबले में च्वालिंस्का पर हावी रहीं। पहले सेट में स्कोर 3-3 से बराबरी पर था, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी उन्होंने शुरुआती बढ़त हासिल की और लगातार 6 गेम जीतते हुए च्वालिंस्का को वापसी का मौका नहीं दिया। उन्होंने 6-2 से सेट और मैच जीतकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

खिताब जीतने के बाद एंड्रीवा भावुक दिखीं। उन्होंने अपनी टीम और परिवार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह उनके बचपन का सपना था और रोलां गैरो जीतना उनके लिए बेहद खास पल है।

दूसरी सबसे कम उम्र की चैंपियन

इस जीत के साथ एंड्रीवा 2020 में इगा स्वियातेक के बाद फ्रेंच ओपन महिला एकल जीतने वाली टीनएज खिलाड़ी बन गईं। वह 1992 में मोनिका सेलेस के बाद फ्रेंच ओपन में सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन भी हैं।

■ च्वालिंस्का लगातार 9 मैच जीतकर फाइनल पहुंची थीं

फाइनल में हार के बावजूद च्वालिंस्का का अभियान यादगार रहा। वर्ल्ड रैंकिंग में 114वें स्थान पर मौजूद पोलिश खिलाड़ी क्वालिफायर के रूप में टूर्नामेंट में उतरी थीं और लगातार नौ जीत दर्ज कर फाइनल तक पहुंची थीं। उन्होंने वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका को भी हराकर बाहर किया था।

मैच के बाद च्वालिंस्का ने एंड्रीवा की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनसे बेहतर खिलाड़ी साबित हुईं। एंड्रीवा ने कोच कोंचिता मार्टिनेज और अपने परिवार के साथ जीत का जश्न मनाया।

इंजीनियर के लॉकरों में 2 करोड़ कैश मिला

■ ओडिशा में 5 मल्टीस्टोरी बिल्डिंग समेत 13 प्लॉट

■ 27 साल पहले 6000 रु. सैलरी पर नियुक्ति हुई थी

भुवनेश्वर. ओडिशा के असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बैकुंठ नाथ बेहरा के पास से करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। बेहरा कंधमाल जिले के बलिगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (ITDA) में पदस्थ हैं। उनका 1999 में जूनियर इंजीनियर के पद पर अपॉइंटमेंट हुआ था। तब सैलरी 6 हजार रुपए थी।

ओडिशा विजिलेंस को बेहरा के पास आय से ज्यादा संपत्ति होने की शिकायत मिली थी। इसके बाद भुवनेश्वर के विशेष न्यायाधीश (विजिलेंस) के सर्च वारंट के आधार पर विजिलेंस ने शुक्रवार को भुवनेश्वर, जाजपुर, बारिपदा और कंधमाल जिले के कुल 9 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

इस दौरान 5 बहुमंजिला इमारतें, 13 प्लॉट, सोने के गहने और बैंक लॉकरों से करीब 2.4 करोड़ कैश बरामद किए गए हैं। सभी संपत्तियों की कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है। इसे हाल के वर्षों की सबसे बड़ी आय से अधिक संपत्ति की कार्रवाइयों में एक माना जा रहा है।

भुवनेश्वर में चार बहुमंजिला आलीशान मकान

- भुवनेश्वर के 4 इलाकों के अलावा जाजपुर जिले के धर्मशाला स्थित पैतृक घर, रिश्तेदारों के आवास, सरकारी क्वार्टर और ऑफिस में भी तलाशी ली गई। कार्रवाई में 2 एडिशनल SP, 5 DSP, 6 इंस्पेक्टर और बड़ी संख्या में अन्य अधिकारियों को लगाया गया।
- जांच में अब तक पांच बड़ी इमारतों का पता चला है। इनमें भुवनेश्वर स्थित नीलाद्री विहार में लगभग 10,500 वर्गफुट क्षेत्रफल वाली चार मंजिला इमारत सबसे बड़ी है। इसके अलावा सैलश्री विहार में तीन मंजिला भवन, पटिया में दो मंजिला मकान, चंद्रशेखरपुर में दो मंजिला मकान है।
- जाजपुर जिले के धर्मशाला में पैतृक जमीन पर भी दो मंजिला इमारत बनी है। विजिलेंस को बेहरा और उनके परिवार के नाम पर 13 प्लॉट भी मिले हैं। इनमें 7 प्लॉट भुवनेश्वर, 5 जाजपुर जिले के धर्मशाला और एक बारिपदा में स्थित है। भुवनेश्वर में और भी जमीन होने की जानकारी सामने आई है।

घरेलू LPG सिलेंडर 29 रुपए महंगा

■ 3 महीने में दाम 89 रुपए बढ़े

नई दिल्ली. घरेलू LPG सिलेंडर 29 रुपए महंगा हो गया है। नई दरें आज रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। दिल्ली में अब 14.2 किलो वाला गैस सिलेंडर 913 से बढ़कर 942 रुपए का हो गया है।

तीन महीने में दूसरी बार LPG की कीमत बढ़ाई गई है। इससे पहले 7 मार्च को LPG सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़ाए गए थे। इस तरह 3 महीने के अंदर घरेलू सिलेंडर 89 रुपए महंगा हो गया है।

न्यूज एजेंसी PTI के सूत्रों के अनुसार, तेल कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा लागत और घरेलू बिक्री पर नुकसान के कारण कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं।

■ दुनिया में सबसे सस्ती कुकिंग गैस भारत में मिल रही

इस बीच सरकार का कहना है कि दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय परिवारों को सबसे सस्ती कुकिंग गैस मिल रही है।

भारत में घरेलू एलपीजी (LPG) सिलेंडर की कीमत पड़ोसी देशों और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसी एडवांस इकोनॉमी के मुकाबले काफी कम है।

वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती लागत का बोझ सरकार खुद उठा रही है और इसे आम उपभोक्ताओं पर पास-ऑन नहीं होने दिया गया है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY) के लाभार्थियों को हर साल रिफिलिंग पर प्रति सिलेंडर 300 रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी सीधे बैंक खाते में मिलती है।

यह छूट साल के पहले 4 सिलेंडरों पर लागू होती है, जिससे उन्हें एक सिलेंडर प्रभावी रूप से 642 रुपए का पड़ता है।

सभी के लिए सुलभ हो न्यायपालिका

■ सीजेआई बोले- लोकतंत्र में यही है जवाबदेही की अंतिम कड़ी

नई दिल्ली. भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा है कि ऐसा न्यायालय जो केवल उन लोगों के अधिकारों की रक्षा करता है जो मुकदमेबाजी का खर्च उठाने में सक्षम हैं, वह अपने संवैधानिक कार्य को पूरा नहीं कर रहा है, बल्कि केवल उसकी औपचारिकता निभा रहा है। सीजेआई ने कहाकि न्यायपालिका को न केवल अधिकारों का संरक्षक होना चाहिए, बल्कि यह इतनी सुलभ होनी चाहिए कि उसका संरक्षण वास्तविक रूप से महसूस हो। जस्टिस सूर्यकांत शुक्रवार को 'क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन' में वाणिज्यिक विधि केंद्र द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गये थे। उन्होंने छात्रों के साथ व्यापक चर्चा की और छात्रों ने उनसे न्यायपालिका, न्याय तक पहुंच और कानूनी पेशे के भविष्य समेत विभिन्न मुद्दों पर कई सवाल पूछे।

संक्षेप...

83 किलो गांजा के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

मुंबई. मुंबई पुलिस की अपराध शाखा के मादक पदार्थ विरोधी कक्ष (घाटकोपर यूनिट) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा की तस्करी और बिक्री में कथित रूप से शामिल एक महिला को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उसके ठिकाने और एक अन्य स्थान से कुल 83.478 किलोग्राम गांजा जब्त किया है. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार को महाराष्ट्र नगर, मंडाला, मानखुर्द इलाके में छापेमारी की गई. कार्रवाई के दौरान महिला के घर और एक अन्य स्थान से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया. इस मामले में तुर्भे थाने में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8(क) और 20(क) के तहत मामला दर्ज किया गया है. जांच में यह भी सामने आया है कि अन्य राज्य में रहने वाले कुछ लोगों की इस तस्करी में भूमिका हो सकती है. पुलिस उनके संबंधों और नेटवर्क की भी जांच कर रही है.

भिवंडी में मात्र 30% नाला सफाई

- **नाला सफाई की हकीकत से रूबरू हुए महापौर चौधरी**
- **महापौर की चेतावनी- लापरवाह, भ्रष्ट ठेकेदार, अधिकारी होंगे दंडित, रोकेंगे बिल भुगतान**

भिवंडी. भिवंडी मनपा महापौर नारायण चौधरी ने नाला सफाई कार्यों का पत्रकारों,जनप्रतिनिधियों के साथ निरीक्षण के बाद स्वीकार किया कि,शहर अंतर्गत नालों की सफाई का कार्य 30% तक ही हुआ है. शहर के तमाम मुख्य,संपर्क नालों में कचरा भरा हुआ है.उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि,बारिश में जलजमाव से लोगों को तकलीफ होने पर लापरवाह,भ्रष्ट ठेकेदारों का भुगतान रोका जाएगा. भ्रष्ट ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करेंगे.नाला सफाई से जुड़े संबंधित अधिकारियों पर कड़क एक्शन लिया जाएगा.

गौरतलब हो कि,मनपा महापौर नारायण चौधरी ने बारिस के पूर्व शुरू नाला सफाई कार्यों का दौरा जनप्रतिनिधियों,मीडियाकर्मियों के साथ किया.महापौर चौधरी ने एक आम नागरिक की तरह पत्रकार की बाइक पर सवार होकर शहर स्थित ग्लैक्सी नाला,मेट्रो नाला,तीन बत्ती,दरगाह रोड,कमला होटल,साईं बाबा मंदिर,बंजार पट्टी आदि एरिया के नालों की सफाई की हकीकत देखी. नाला सफाई कार्य ठीक से नहीं होने पर महापौर चिंतित,दुखी दिखाई पड़े.उन्होंने माना कि,लाख कोशिशों के बावजूद भिवंडी में नाला सफाई का कार्य अभी तक 30% ही हो सका है जिसके लिए कामचोर ठेकेदार और भ्रष्ट अधिकारी जिम्मेदार हैं.नाला,गटर सफाई अगर ठीक से नहीं हुई तो शहर में अनेकों जगहों पर जलजमाव होना तय है. विगत दिनों मनपा प्रभाग समिति क्रमांक 5 सभापति एड वैभव भोईर भी नाला सफाई कार्यों का निरीक्षण कर अपेक्षित सफाई नहीं होने से नाराजगी प्रकट कर चुके हैं.

महापौर हुए निराश

नाला सफाई कार्य बेहद अपर्याप्त होते देखकर महापौर चौधरी बेहद दुखी,निराश दिखाई पड़े. ठेकेदारों,अधिकारियों से जल्द सफाई कार्य अंजाम देने का निर्देश दिया. उन्होंने माना कि,नाला सफाई कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है.ठेकेदार ठीक से सफाई कार्यों को अंजाम नहीं देकर सिर्फ ऊपर से लीपापोती कर रहे हैं.शहर के अधिसंख्यक नालों में कचरा भरा हुआ है. पत्रकार परशुराम पाल ने स्वच्छता विभाग प्रमुख फैसल तातली सहित अन्य स्वच्छता अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और लापरवाही का भारी आरोप लगाया.आरोप है कि,स्वच्छता विभाग प्रमुख फैसल तातली विभाग के अन्य अधिकारियों को दरकिनार कर भ्रष्ट तरीके से नाला सफाई की ठेकेदारी करने में लिप्त है. नाला सफाई टेंडर में करीब 100 नाला बढ़ाकर मनपा तिजोरी का करीब 1करोड़ रुपये डकारने का मास्टरमाइंड माना जा रहा है.फैसल तातली को पद से हटाया जाना जरूरी है.

महापौर चौधरी ने नाला सफाई निरीक्षण के बाद कहा कि,नाला सफाई देखकर मैं खुद शर्मशार हूं. बारिश के पूर्व सफाई नहीं होने से नागरिकों को परेशानी झेलनी पड़ेगी.बारिश के पूर्व सफाई कार्यों को अंजाम देने की पूर्ण कोशिश होगी. सफाई कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी.भ्रष्ट ठेकेदारों का भुगतान कदापि नहीं होगा.

भिवंडी में 1439 इमारतें खतरनाक

- **जान जोखिम में डाल कर रह रहे 6 हजार से ज्यादा परिवार**
- **पिछले साल 1,444 इमारत खतरनाक घोषित की गई थीं**

भिवंडी. भिवंडी शहर में 1,439 खतरनाक इमारतें हैं। इनमें से 289 इमारतें अति खतरनाक घोषित की गई हैं। इन इमारतों में 6,041 परिवारों के से 30 हजार से ज्यादा लोग जान जोखिम में डाल कर रह रहे हैं। इनमें आवासीय इमारतों के साथ-साथ खपरैल के घर और पावरलूम कारखाने भी शामिल हैं। इन इमारतों को खाली कराकर कार्रवाई - करने के बजाय मनपा प्रशासन मानसून से पहले खानापूर्ति के लिए यहां के निवासियों को नोटिस भेजकर अपनी जिम्मेदारी से छुटकारा पा लेती है। इस बार भी मानसून से पहले नोटिस देकर मनपा ने लोगों को उनकी हालत पर छोड़ दिया है। इससे सवाल उठ रहा है कि बारिश के दौरान कोई हादसा हुआ तो इसके लिए जिम्मेदार कौन होगा।

मनपा अधिकारियों के मुताबिक, जर्जर इमारतों को खाली कराने में सबसे बड़ी बाधा स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नेता हैं। कई इमारतें अवैध रूप से बनी होने के कारण और जमीन मालिकों और पगड़ी प्रणाली से फ्लैट लेने वाले परिवारों के बीच विवाद के कारण भी कई इमारतों को खाली कराने में कठिनाई आ रही है।

289 इमारतें अति खतरनाक

बता दें कि पिछले वर्ष शहर में 1,444 इमारतें जर्जर थीं। इनमें से 69 इमारतों को जमींदोज करने का दावा मनपा प्रशासन कर रही है। भिवंडी मनपा शहर विकास अधिकारी समीर जवरे ने बताया कि मनपा के अंतर्गत आने वाले पांचों प्रभाग समिति क्षेत्र में अब कुल 1,439 इमारतें खतरनाक घोषित की गई हैं। इनमें से 289 इमारतें अति खतरनाक यानी सी-1श्रेणी में हैं, जबकि सी-2ए श्रेणी में 737 इमारतें हैं। इन्हें खाली कराकर मरम्मत की जानी है। सी-2बी श्रेणी में 369 इमारतें हैं, जिनमें लोगों के रहते हुए मरम्मत की जा सकती है और सी-3 श्रेणी में 44 इमारतें हैं, जिनकी मामूली मरम्मत की जा सकती है। जवरे ने बताया कि प्रभाग समिति एक में अति खतरनाक व खतरनाक 138 इमारतें हैं। इसी तरह प्रभाग दो में 382, प्रभाग तीन में 217, प्रभाग चार में 362, जबकि प्रभाग समिति 5 में सबसे ज्यादा 340 इमारतें खतरनाक हैं। उन्होंने बताया कि प्रभाग समिति स्तर पर सभी खतरनाक व अति खतरनाक इमारतों को तोड़ने व मरम्मत करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि जो बिल्डिंग अति जर्जर हैं, उसे तोड़ा जाएगा और जो मरम्मत करने लायक है, उसके मालिकों को मरम्मत के बाद स्ट्रक्चरल आडिट की रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। इस बाद मनपा द्वारा बड़े पैमाने पर कार्रवाई की जा जाएगी।

भिवंडी में 'शिवराज्याभिषेक' समारोह जोश के साथ मनाया गया

भिवंडी. शिव सेना (उबाठा) की तरफ से शनिवार को 'शिवराज्याभिषेक' समारोह छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर बड़े जोश के साथ मनाया गया। हर वर्ष की तरह, इस साल भी, शिव प्रेमियों के हाथों से छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति पर 'दुग्धाभिषेक' किया गया। साथ ही, एक शिवसृष्टी भी बनाई गई. भिवंडी शहर के शिव प्रेमियों ने इस 352वें 'शिवराज्याभिषेक' समारोह में अच्छा प्रतिसाद दिया. इस शानदार समारोह की चर्चा पूरे दिन भिवंडी शहर में होती रही।

समारोह में शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे की पार्टी के गजेंद्र गुलवी (शहर प्रमुख भिवंडी पूर्व), प्रदीप बोडके (शहर प्रमुख भिवंडी पश्चिम), नाना झलके (शहर समन्वयक), उमेश कोंडलेकर (प्रमुख जिला प्रमुख), स्वाति भावार्थे (शहर संगठन पूर्व), रचना चौधरी, सुनीता तारे, भानुशाली ताई, श्रद्धा तेर्डे, योगिता अहिरे, (सभी उप-शहर संगठन), दिलीप कोंडलेकर (विधानसभा आयोजक), भाई वानगे (उप शहर प्रमुख), चक्रधर पाटिल (उप तालुका प्रमुख), राजा पुण्यार्थी (सचिव), भाऊ काठवले (शाखा प्रमुख), समीर खिस्मतराव (उप-विभाग प्रमुख), दयाराम पाटिल (उप-विभाग प्रमुख), अनंत भामरे (शाखा प्रमुख, वैल), संतोष पुण्यार्थी (उप शाखा प्रमुख), रमेश वडपेल्ली (समूह प्रमुख), गिरीश तेजे, महेश बोगा, पप्पू इंजामुरे (शिव भक्त), सीनियर शिव सैनिक राजू घैसास, राहुल सावंत, संजय समेल, नील जोशी और बड़ी संख्या में शिव प्रेमी मौजूद थे।

वैभव (भाऊ) काठवाले (शाखा प्रमुख) और दूसरे पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए खास कोशिश की।

भांडुप सर्कल में उत्साह और सादगी के साथ मनाई गई महावितरण की 21वीं सालगिरह

ठाणे. महावितरण की 21वीं सालगिरह आज भांडुप सर्कल में उत्साह और सादगी भरे माहौल में मनाई गई। प्रोग्राम की अध्यक्षता भांडुप सर्कल के चीफ इंजीनियर संजय पाटिल ने की। इस मौके पर असिस्टेंट जनरल मैनेजर प्रवीण रहांगडाले, असिस्टेंट जनरल मैनेजर नमिता गजदार, सिस्टम एनालिस्ट कीर्ति जोशी, डिप्टी चीफ इंडस्ट्रियल रिलेशन्स ऑफिसर महेंद्र बागुल और दूसरे सीनियर अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।प्रोग्राम की शुरुआत सामूहिक इलेक्ट्रिकल सेफ्टी शपथ के साथ हुई।इसके बाद, मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए चीफ इंजीनियर संजय पाटिल ने कहा कि राज्य के विकास में पावर सेक्टर की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है और महावितरण के अधिकारी और कर्मचारी बदलते समय की नई चुनौतियों का सामना करने के लिए काबिलियत से काम कर रहे हैं।पिछले कुछ दशकों में पावर

सेक्टर ने बहुत तरक्की की है। पहले, मुख्य मकसद ग्रामीण इलाकों में बिजली पहुंचाना था। समय के साथ चुनौतियां बदलीं और 2005 में पावर सेक्टर को पावर जेनरेशन, पावर ट्रांसमिशन और पावर डिस्ट्रीब्यूशन की अलग-अलग कंपनियों में बांट दिया गया। आज, महावितरण एशिया की दूसरी सबसे बड़ी पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी है और राज्य में लगभग तीन करोड़ कस्टमर्स को सर्विस देती है।उन्होंने कहा कि अगले दशक में बिजली की डिमांड बहुत ज़्यादा बढ़ेगी और इसके लिए ज़रूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना, कस्टमर्स को अच्छी क्वालिटी की बिजली सप्लाई करना और राज्य के डेवलपमेंट को तेज़ करना महावितरण की ज़िम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, स्मार्ट मीटर, रूफटॉप सोलर स्कीम और ई-गाड़ियों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एनर्जी सेक्टर में बड़ा बदलाव ला रहे हैं और इन सभी बदलावों के लिए तैयार रहना ज़रूरी है।उन्होंने यह भी कहा कि महावितरण ने सोलर एग्रीकल्चरल पंप स्कीम के तहत एक महीने में रिकॉर्ड 45,000 कनेक्शन देकर गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। प्रधानमंत्री का सूर्यघर योजना, स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट और अलग-अलग कस्टमर-ओरिएंटेड पहलों की सफलता के पीछे अधिकारियों, कर्मचारियों और आम लोगों का अहम योगदान बताया।

आम सूचना

मैं श्री अशोक द्वारकादास भाटिया सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 2-ए, ग्राऊंड फ्लोर, विकी अपार्टमेंट, विंग नं. 42, 43 और हाफ आफ 44, बैरक नं. 422, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 12बीआय15329100) उक्त प्रॉपर्टी श्री बाबूलाल एस. राठोर से सेल एग्रीमेंट 29.7.2010 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अशोक द्वारकादास भाटिया

आम सूचना

मैं श्रीमती प्रीती प्रकाश वारंग सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, बैरक नं. 13 के पास, सह्याद्री कॉलोनी, शिव रोड, शिव मंदिर के पीछे, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 07एओ014677800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती संध्या महेंद्र सूर्यवंशी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 23.4.2026 1297/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती प्रीती प्रकाश वारंग

खाड़ी के किनारे हरियाली के लिए सुरक्षा कवच!

ठाणे. कोपरी पूर्व परिसर जो सुबह की धुंध में झांकते मैंग्रोव और खाड़ी में घूमते पक्षियों से भरा रहता है, अब ज़्यादा सुरक्षित हो गया है। इस एनवायरनमेंट के लिए सेंसिटिव इलाके में मैंग्रोव को बचाने के लिए, कांदलवन विभाग ने लोहे का सुरक्षा जाल लगाकर बिना इजाज़त के भराव पर असरदार तरीके से रोक लगा दी है। इससे खाड़ी के किनारे की बायोडायवर्सिटी को सुरक्षा कवच मिला है और इलाके में नई जान आ गई है।स्वामी समर्थ मठ रोड के किनारे कुछ जगहों पर, मिट्टी, बजरी और कचरा डालकर खाड़ी के किनारे को भरना शुरू कर दिया गया था। इससे यह डर जताया गया था कि इससे मैंग्रोव, पानी का नैचुरल बहाव और जंगली जानवरों के रहने की जगह पर असर पड़ेगा। खास तौर पर, यह इलाका सुनहरी लोमड़ी, नेवले, घोरपड़, कई तरह के सांपों और कई तरह के पक्षियों के रहने की जगह के लिए जाना जाता है।इसी को देखते हुए, मैंग्रोव फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने तुरंत कदम उठाए हैं और सड़क के दोनों तरफ एक सुरक्षा जाल लगा दिया है। इससे क्रीक एरिया में पानी भरना बंद हो गया है और मैंग्रोव को सुरक्षा कवच मिल गया है।मीठाबंदर एरिया में मैंग्रोव सिर्फ पेड़ों का एक ग्रुप नहीं हैं, बल्कि ठाणे क्रीक की इकोलॉजिकल हेल्थ के पिलर हैं। वे कई ज़रूरी रोल निभाते हैं जैसे कोस्टल इरोजन को रोकना, कार्बन सोखना, पानी में रहने वाले जीवों के लिए रहने की जगह देना और बाढ़ का असर कम करना।वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे के मौके पर मैंग्रोव फॉरेस्ट डिपार्टमेंट का यह कदम एनवायरनमेंट बचाने के मामले में एक मिसाल माना जा रहा है।

भिवंडी में 3 लाख रुपये की नकली सिगरेट ज़ब्त

भिवंडी. शहर के गौरीपाड़ा इलाके के धोबीतलाव में म्युनिसिपल स्वीमिंग पूल के बगल में नाले के पास कम कीमत पर बेचने के लिए लाई गई 3,33,500 रुपये की नकली और डुप्लीकेट सिगरेट पुलिस ने ज़ब्त की है.

इस घटना से शहर के पान टपरी दुकानदारों में हड़कंप मच गया है। आरोपी कुलदीप रामलोत दुबे (40) धोबीतलाव के परशराम टावरे स्टेडियम में स्वीमिंग पूल के बगल में नाले के पास खाकी कागज के डिब्बों में पीले और काले कागज के कवर में दो मशहूर सिगरेट कंपनियों के नाम की नकली और डुप्लीकेट सिगरेट बेचने के लिए लाया था। जैसे ही पुलिस को इस घटना की खबर मिली, भोईवाड़ा थाने की पुलिस ने 70 पैकेट वाले 79 डिब्बे ज़ब्त कर लिए। सिगरेट के इस पूरे डिब्बे की कीमत करीब 3,33,500 रुपये है।

आम सूचना

हम श्री संजय राजाराम कनोजिया व श्रीमती नीलम संजय कनोजीया सभी को सूचित कर रहे हैं कि शॉप, शिव मंदिर के पीछे, उल्हासनगर- 4 (टैक्स नं. 42सीओ009509200) उक्त प्रॉपर्टी श्री पंकज रतीलाल हजीरावाला से सेल एग्रीमेंट 21.4.2025 सी.नं. 956 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री संजय राजाराम कनोजिया व श्रीमती नीलम संजय कनोजीया

'वो मुझे बार-बार किस करता रहा'

- **मुन्नाभाई MBBS में दिखीं एक्ट्रेस प्रिया बापट ने अनुभव शेयर किया**
- **बोलीं- किसिंग सीन में अनकंफर्टेबल हुई थी**

एक्ट्रेस प्रिया बापट ने हाल ही में बताया कि अपनी शुरुआती फिल्मों में से एक की शूटिंग के दौरान किसिंग सीन में वह अनकंफर्टेबल हो गई थीं।

फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में प्रिया ने कहा, 'फिल्म में सिर्फ एक किसिंग सीन था। स्क्रिप्ट रीडिंग के समय से ही मुझे उसे लेकर डाउट था। मैं लगातार डायरेक्टर से पूछती थी कि इसकी जरूरत क्या है। मेरा सवाल किस करने या न करने को लेकर नहीं था, बल्कि यह था कि कहानी में इसे कैसे सही ठहराया जा रहा है।'

उन्होंने आगे कहा, 'डायरेक्टर इस सीन को लेकर काफी जोर दे रहे थे। आखिर में मैंने सोचा कि अपनी झिझक तोड़नी चाहिए और सीन कर लिया। मैंने पूरी फिल्म में सिर्फ एक किस के लिए हामी भरी थी।'

प्रिया ने कहा, 'इसके बाद गाने की शूटिंग के दौरान एक्टर बार-बार इम्प्रोवाइज करने लगा और मुझे किस करता रहा। उस समय मैं अपने लिए आवाज नहीं उठा पाई, क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इस स्थिति से कैसे निपटूं।'

उन्होंने बताया, 'हम एक ही होटल में ठहरे थे, हालांकि कमरे अलग थे, लेकिन वह लगातार मैसेज करता था। कभी स्विमिंग सिखाने की बात करता, कभी डिनर और ब्रेकफास्ट के लिए बुलाता। मैं बार-बार मना करती रही। मेरे साथ पहले कभी ऐसा नहीं हुआ था।'

प्रिया ने बताया कि वह हर रात अपने पति उमेश कामत से बात कर पूरी स्थिति शेयर करती थीं। बाद में उनके पति शूटिंग लोकेशन पर पहुंचे और कुछ दिनों तक उनके साथ रहे। एक्ट्रेस ने कहा कि उनके करियर में यह इकलौता ऐसा अनुभव था।

शिवशांति प्रतिष्ठान ने किया पौधारोपण

- **विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन**

ठाणे. विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिवशांति प्रतिष्ठान द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के संस्थापक एड. विनय कुमार सिंह ने बताया कि कामगार अस्पताल परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।इस अवसर पर उपस्थित युवाओं को वृक्षों के महत्व, बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में पौधारोपण की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। संस्था की ओर से युवाओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया गया।कार्यक्रम में विधायक संजय केलकर, भाजपा ठाणे अध्यक्ष संदीप लेले,नगरसेवक अमित सरैया, सुरेश कांबले, कामगार अस्पताल की वैद्यकीय अधीक्षक डॉ. दिव्यानी देवरे, एड शिक्षा संस्कार,गोपाल ठाकुर सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।सभी अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण को समय की आवश्यकता बताते हुए नागरिकों से वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने हरित और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण हेतु निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

आम सूचना

मैं श्री संजय राजाराम कनोजिया सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 5, ग्राऊंड फ्लोर, सासवाती अपार्टमेंट, चरंग बाबा नगर, बैरक नं. 1422 के पास, सेक्शन 32, उल्हासनगर- 4 (टैक्स नं. 41सीआय009400000) उक्त प्रॉपर्टी श्री विजय रामचंद्रा मालूसारे से सेल एग्रीमेंट 16.2.2021 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री संजय राजाराम कनोजीया

आम सूचना

हम श्री सूरज चंदूमल पमनाणी व श्री मुकुलकुमार हरीनारायण सिंघ सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, बैरक नं. 1908 के सामने, सेक्शन 40, उल्हासनगर- 5 (टैक्स नं. 58डीआय012585100) उक्त प्रॉपर्टी श्री विनजारी गुरमुखदास सुरेशलाल से सेल एग्रीमेंट 25.5.2026 सी.नं. 216 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सूरज चंदूमल पमनाणी व श्री मुकुलकुमार हरीनारायण सिंघ

आम सूचना

मैं श्री महेश रामदास गुप्ता सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, ब्लॉक नं. सी-78 के पीछे, खेल मैदान, राम नगर, उल्हासनगर- 3 (टैक्स नं. 09एओ014985300) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती आशा एश. नायक से सेल एग्रीमेंट 7.1.2019 सी.नं. 83/2019 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री महेश रामदास गुप्ता

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099